संख्या-01/2022/ । 130585/ सा0-09/38-2-2022

38-2099(99)/53/2021

प्रेषक,

दिनेश चन्द्र पाण्डेय,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

ग्राम्य विकास अनुभाग-2 **लखनऊ: दिनांक 08 जनवरी, 2022**

विषय:- जनपद-प्रतापगढ़ के विकास खण्ड-मंगरौरा में आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु द्वितीय/अन्तिम किश्त धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सन्दर्भ में अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या-47/2021/। 93569/2021/ सा0-218/38-2-2021, दिनांक 01 सितम्बर, 2021 द्वारा जनपद प्रतापगढ़ के विकास-खण्डमंगरौरा में - अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य/आवासीय हेतु रू0 447.01 लाख (रूपये चार करोड़ सैतालिस लाख एक हजार मात्र(की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करते हुए वर्ष 2021-22 में रू0 223.50 लाख (रूपये दो करोड़ तेईस लाख पचास हजार मात्र(की धनराशि अवमुक्त की गयी थी ।

2- आपके पत्रांक-560/बजट अनु0/सामु0वि0/2021-22, दिनांक 07 जनवरी, 2022 एवं जिला विकास अधिकारी, प्रतापगढ़ के पत्रांक-460/सामु0वि0/उपभोग प्रमाण पत्र- वि0खण्ड मंगरौरा/2021-22, दिनांक 07 जनवरी, 2022 के द्वारा उपलब्ध कराये गये परियोजना हेतु अवमुक्त की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं अन्य संगत अभिलेखों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में जनपद प्रतापगढ़ के विकास-खण्डअनावासीय भवनों के न/मंगरौरा में आवासीय-िर्माण हेतु द्वितीय/अन्तिम किश्त के रूप में धनराशि रू0 223.51 लाख (रूपये दो करोड़ तेईस लाख इक्यावन हजार मात्र) की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल प्रदान करते हैं :-

(1) वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृतियॉ निर्गत किये जाने विषयक वित्त -अनुभाग(यकव्य-आय)1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021, दिनांक 22 मार्च, 2021 में प्रावधानित व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा शासनादेश में दिये गये अन्य दिशा निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) प्रश्नगत प्रस्ताव का परीक्षण बजट की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। प्रश्नगत धनराशि की स्वीकृति किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है। जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और फाईनेंशियल हैण्डबुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकारकेन्द्र/ सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

)3(परियोजना में पूर्व में प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि रू0 223.50 लाख के 75 प्रतिशत व्यय किये जाने के पश्चात् ही द्वितीय किश्त की धनराशि आहरित की जायेगी।

(4) परियोजना के निर्माण कार्य स्थल पर पूर्व में निर्मित निष्प्रयोज्य भवनों के ध्वस्तीकरण से प्राप्त सामग्री की नीलामी नियमानुसार करते हुए प्राप्त धनराशि को राजकोष में अनिवार्य रूप से जमा किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) आकड़ों की शुद्धता एवं धनराशि की अनुमन्यता की पुष्टि का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी का होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एकमुश्त न करते हुए अपितु आवश्यकतानुसार चरणों में किया जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण एकमुश्त न करते हुए आवश्यकतानुसार चरणों में किया जायेगा। आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी इस बात का ध्यान रखेगे कि कार्यदायी संस्था के पास दो माह की आवश्यकता से अधिक धनराशि न हो।

(7) स्वीकृत की जा रही धनराशि के नियम संगत आहरणव्यय/, स्वीकृत की गयी धनराशि के विरुद्ध निर्धारित लक्ष्यों के प्राप्त होने तथा निर्धारित प्रारुप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी का होगा।

(8) स्वीकृत किये जा रहे कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा अन्य किसी स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है और नही यह कार्य किसी अन्य योजना में सम्मिलित है, अर्थात् किसी प्रकार की द्विरावृत्ति न हो।

(9) स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्माण संबंधी संगत शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसारमानकों के / अधीन किया जायेगा। कार्यदायी संस्था को धनराशि आवश्यकतानुसार चरणों में उपलब्ध करायी जायेगी तथा स्वीकृत की गयी धनराशि के विरुद्ध निर्धारित लक्ष्यों के प्राप्त होने व उसके परीक्षण विकास ग्राम्यसत्यापन का दायित्व आयुक्त/, उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी का होगा।

(10) कार्यदायी संस्था द्वारा लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्टियों एवं मानक के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण कार्य सम्पादित कराया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हो तथा उसकी गुणवत्ता उत्कृष्ठ कोटि की हो, इसकी पूर्ण जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी तथा समयसमय पर स्थलीय अनुश्रवण कर- कार्य की गुणवत्ता एवं कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो, यह सुनिश्चित कराये जाने का उत्तरदायित्व आयुक्त ग्राम्य विकास, उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी का होगा।

(11) कार्यदायी संस्था द्वारा आगणन में निर्धारित सीमा तक ही समस्त करचार्ज लिया जायेगा /सेस/ तथा संबंधित को नियमानुसार भुगतान किया जायेगा।

(12) प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों आदि का क्रय सुसंगत क्रय नियमोंस्टोर पर्चेज रुल्स के / अन्तर्गत किया जायेगा।

(13) प्रश्नगत प्रायोजना के परीक्षण के दौरान मुख्य प्राविधिक परीक्षक, ग्राम्य विकास द्वारा अंकित अन्य निर्देशों का भी अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(14) कार्यदायी संस्था द्वारा लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्टियों एवं मानकों के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण कार्य संपादित कराया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हो तथा उसकी गुणवत्ता उत्कृष्ट कोटि की हो, इसकी पूर्ण जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। समय- एवं कार्य निर्धारितलीय अनुरक्षण कर कार्य की गुणवत्तासमय पर स्थ समय में पूर्ण हो यह सुनिश्चित कराया जायेगा।

(15) उक्त धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा, जिस बाउचर संख्या एवं जिस तिथि को धनराशि कोषागार से आहरित की जाय, उसका विवरण महालेखाकार, उ0प्र0 एवं आयुक्त, ग्राम्य विकास एवं शासन को अविलम्ब प्रेषित किया जाय तथा धनराशि के पूर्ण उपयोग की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जाय। निर्माण कार्य के वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की सूचना प्रतिमाह आयुक्त, ग्राम्य विकास को भेजी जाय।

(16) इस धनराशि से निष्पादित कराये जाने वाले कार्यों के लेखों की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के विवेकानुसार की जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(17) धनराशि के आहरण एवं व्यय के संबंध में मितव्ययिता संबंधी समयसमय पर- निर्गत शासनादेशों एवं वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(18) आयुक्त, ग्राम्य विकास, सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था द्वारा ई - नपरियोजना प्रबन्ध वेबसाइट पर दर्ज परियोजनाओं की सूचना प्रत्येक माह अद्यतन किया जाय।

(19) कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 22 मार्च, 2021, इस शासनादेश में उल्लिखित सभी शर्तों एवं पूर्व में निर्गत शासनादेश दिनांक 01 सितम्बर, 2021 का अनुपालन विभाग में कार्यरत वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे तथा यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि वे मामले की पूर्ण सूचना विवरण सहित शासन/वित्त विभाग को प्रेषित करेंगे।

(20) स्वीकृत धनराशि का आहरण और व्यय निर्माण संबंधी संगत शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसार/मानकों के अधीन किया जायेगा। कार्यदायी संस्था को धनराशि आश्यकतानुसार चरणों में उपलब्ध करायी जायेगी तथा स्वीकृत की गयी धनराशि के विरूद्ध लक्ष्यों के प्राप्त होने व उसके परीक्षण/सत्यापन, निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाणपत्र प्राप्त किये जाने का दायित्व आयुक्त, ग्राम्य विकास उ0प्र0 एवं मुख्य विकास अधिकारी का होगा।

(21) स्वीकृत धनराशि के संबंध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021, दिनांक 22 मार्च, 2021 का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था को जो धनराशि अवुक्त की जायेगी वह दो माह की आवश्यकता के लिये होनी चाहिए। कार्यदायी संस्था को पूर्व में दी गयी धनराशि के 75 प्रतिशत का उपयोग करने के उपरान्त अगले 02 माह के लिए पुन: धनराशि कोषागार से आहरित करके दी जाय।

(22) स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर किसी भी दशा में पी0एल0ए0/बैंक/डाकघर में नहीं रखा जायेगा।

(23) स्वीकृत की जा रही धनराशि जिस मद/कार्य हेतु दी जा रही है उसी मद/कार्य में ही व्यय की जायेगी। इसका किसी अन्य मद/कार्य में व्यय/डाइवर्ट अनुमन्य नहीं होगा। जैसे ही धनराशि का पूर्ण उपयोग हो जाय, उसका उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रेषित कर दिया जाय।

(24) धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा।

(25) कार्यदायी संस्था द्वारा प्रश्नगत धनराशि के व्यय हेतु संगत शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसार /मानकों के अधीन किया जायेगा व निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(26) स्वीकृत की जा रही धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्यों में क्रय की जाने वाली सामग्री आदि के सम्बन्ध में निर्गत संगत शासनादेशों व वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(27) परियोजना में टाइम ओवर रन/कास्ट ओवर रन को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम -04/2017, दिनांक 21-06-2017 में दिये गये दिशानिर्देशों तथा शासनादेश संख्या-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक 06-06-1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(28) परियोजना में उल्लेखनीय परिवर्ततन जैसेप्राविधान एवं डिजाइन में - संशोधन, स्वीकृत प्रायोजना के स्कोप में परिवर्तन, नये कार्य बढ़ाना, कार्यों के आकार में वृद्धि एवं अन्य उच्च विशिष्टियॉ इस्तेमाल करना इत्यादि, सक्षम स्तर का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना नहीं किया जायेगा।

(29) पूर्व निर्मित निष्प्रयोज्य भवनों से प्राप्त सामग्री का समायोजन वित्तीय नियमानुसार अनिवार्य रूप से किया जायेगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के अधीन "लेखाशीर्ष-4515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय-102-सामुदायिक विकास-03-

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

जिला विकास कार्यालय भवनों का निर्माण तथा सामुदायिक विकास खण्ड कार्यालयों /केन्द्रों आदि के भवनों का निर्माण (जिला योजना)-24 वृहत् निर्माण कार्य" के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक)अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021, दिनांक 22 मार्च, 2021 में प्राविधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
दिनेश चन्द्र पाण्डेय
उप सचिव।

संख्या-01/2022/। 130586/सा0-09(1)/38-2-2022-तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकार,(लेखा एवं हकदारी) प्रथम /द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- महालेखाकार,(लेखा-परीक्षा) प्रथम /द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
3- अपर आयुक्त, (वित्त) ग्राम्य विकास, उ0प्र0 लखनऊ।
4- जिलाधिकारी, प्रतापगढ़।
5- मुख्य विकास अधिकारी/जिला विकास अधिकारी, प्रतापगढ़।
6- कोषाधिकारी, प्रतापगढ़।
7- जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, प्रतापगढ़।
8- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-4/वित्त (बजट) अनुभाग-1/2
9- अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-प्रतापगढ़।
10- ग्राम्य विकास अनुभाग-6
11- गार्ड बुक।

आज्ञा से,
दिनेश चन्द्र पाण्डेय
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।